

hingebend 12, 7718. — Vgl. अनुस्रव.

— अप्र abspringen: सो ऽपस्रुत्य (wohl ऽवस्रुत्य zu lesen) रथात् MBh. 6, 3718. — caus. abwaschen: वासः ऽट. Br. 12, 9, 2, 7. शमलम् TS. 6, 4, 2, 4. TBr. 3, 8, 2, 2.

— अभि 1) *hinschiffen zu; sich begeben zu*: सामभिः स्वर्गं लोकमभ्य-
स्रवत् ऽट. Br. 12, 2, 2, 10. ऽऽऽऽ. Br. 21, 1. सोमलोकमभिमुतः MBh. 9,
2882. सर्वदाभिमुतः सद्भिः समुद्रं इव सिन्धुभिः R. Gorr. 1, 1, 18. (पावका-
र्चिः) पार्थमेवाभिमुस्रुवे MBh. 7, 9408. — 2) *heimsuchen, über Jmd kommen*:
तमसाभिमुते लोके रजसा चैव MBh. 4, 1067. पुत्राधिभिरभिमुता 5. 3220. 7,
6927. रजसाभिमुतो नारीम् so v. a. *die Regeln habend* M. 4, 41. व्यसना-
भिमुत so v. a. *in Laster versunken* Jāg. 2, 50. — 3) *hinspringen*,
heranspringen: अभिमुत्य HARIV. 11088 (S. 792). Buāg. P. 3, 19, 8. अभिमुत
MBh. 6, 1788. — Vgl. अभिस्रव. — caus. bespülen Kauç. 19.

— समभि 1) *bespülen, abwaschen*: तेयौघसमभिमुता R. 5, 74, 15. — 2)
heimsuchen, über Jmd kommen: सर्वान् शोकः समभिमुस्रुवे MBh. 3, 2016.
व्याधिभिः समभिमुतः Spr. 3714. चित्तया MBh. 11, 5. रजसा तमसा चैव
मानसम् 12, 13625. HARIV. 11211. दैवेन MBh. 13, 565. मलेन नुधा चैव R.
1, 26, 18 (27, 17 Gorr.). विषादेन मरुता 2, 47, 13. शोकेन 5, 34, 6. रजसा
समभिमुता (नारी) so v. a. *die Regeln habend* M. 4, 42. शशीव समभिमुतः
von Rāhu heimgesucht, verfinstert R. Gorr. 2, 80, 1.

— अत्र 1) *hinschwimmen nach* TBr. 1, 3, 5, 2. — 2) *abspringen, hinab-
springen*: रथाद्वपुस्रुवे MBh. 7, 5196. 6887. अत्रमुत्य 3, 14911. 4, 1260. 1818.
Dhaup. 6, 10. HARIV. 11085 (S. 792). R. 5, 3, 18. 6, 18, 47. 69, 47. अत्रमुत
HARIV. 5347. 5352. R. 3, 33, 35. Buāg. P. 1, 9, 37. अत्रमुतः सिंह इवाचला-
प्रात् MBh. 6, 3788. अत्रमुत n. *das Hinabspringen* 9, 3193. — 3) *davon-
springen, fortspringen, sich entfernen*: अत्रमुत्य पदानि पट् MBh. 7, 568.
अत्रमुत्य ततो देशात् HARIV. 13340. रङ्गमध्याद्वपुतः 4760. सतो मार्गाद्व-
पुतः MBh. 2, 1452. — अत्रमुतः (so der Comm., अत्रिमुतः die Hdschr.)
न्यादाविःपृष्ठो वा (?) Ācv. Grrh. 2, 1, 5.

— समत्र davonspringen: ऽस्रुत MBh. 12, 5037.

— आ 1) *sich baden, — waschen*: अनास्रवमानः Lāṭj. 9, 2, 18. सवस्त्रो
ऽहरहरास्रुवीत ऽऽऽऽ. Grrh. 4, 12. आस्रुत्य ऽऽऽऽ. ऽऽ. 4, 14, 4. Gorr.
1, 3, 28. Ācv. Grrh. 1, 18. 3, 2. M. 7, 210. 11, 202. आस्रुय (P. 6, 4, 58) ऽट.
Br. 14, 9, 4, 12. आस्रुत *sich gebadet habend* Mṛd. t. 88. MBh. 1, 5103 =
6329. Buāg. P. 3, 1, 19. 8, 4, 8. आस्रुत्याकाशगङ्गायाम् MBh. 1, 688. 3,
1907. 9, 2012. 2146. 2153. HARIV. 10432. गङ्गायामास्रुतः MBh. 3, 1733.
10693. KUMĀRAS. 6, 5. Buāg. P. 1, 8, 2. *baden, abwaschen*: प्रयागे — आ-
स्रुत्य गात्राणि MBh. 3, 8314. आस्रुताङ्गो 1, 6973. 3, 1760. अत्रभ्यास्रुत
der das Reinigungsbad des Opfernden genommen hat RAGU. 11, 31.
MBh. 8, 4743. आस्रुत्यावभृशम् Buāg. P. 4, 2, 35. त्रिसवनास्रुत MĀRK. P.
23, 29. सवासा जलमास्रुत्य (viell. hat ursprünglich जलयास्रुत्य d. i. जल
आस्रुत्य gestanden) M. 5, 77. fg. आस्रुत *übergossen, überschneemt*: आ-
स्रुतः साधिवसेन जलेन MBh. 7, 2920. यथा लवणमम्भोभिरास्रुतं प्रविलि-
यते 13, 7590. उदकैरास्रुतो ज्वालम् LINGA-P. bei Muir. ST. IV. 34. ज्वालास्रु-
तानि — पुलिनानि HARIV. 8793. सलिलास्रुतवत्कल R. 3, 5, 6. RAGU.
17, 37. रुधिरास्रुत PAKĀT. 160, 4. 238, 23. प्रथमो वार्षिको मासः आच-
णः सलिलास्रुतः so v. a. *reich an Wasser* R. 4, 23, 12. पादारविन्दरजसा-
स्रुतदेहिन् *überschüttet* Buāg. P. 7, 6, 27. व्यसनास्रुत *von Unglück heim-*

gesucht MBh. 3, 2755. 2918. आस्रुत n. *das Baden* 13, 5719. — 2) *herbei-
springen, heranspringen, hinspringen zu* (acc.): एता अथा आस्रवत्ते अट.
Br. 6, 33. AV. 20, 129, 1. आस्रवत्त गतेः सवैर्मत्स्याः MBh. 3, 12098. आस्रु-
त्य पदान्यष्टौ 7, 609. स भीमसेनस्य रथम् — आपुस्रुवे सिंह इवाचलापम् 8,
4298. R. 6, 16, 93. MBh. 1, 5495. 6, 1778. 2272. 2295. 7, 553. 9, 1351. HA-
RIV. 11083 (S. 792). 12259. 13499. R. 5, 53, 28. आस्रवत्तः 73, 35. 6, 17, 13.
आस्रुतो ऽयं गिरिः पतैः *herangeflogen* HARIV. 3930. आस्रुतश्च ततो यानं
चित्रसेनस्य *er sprang zum Wagen* MBh. 7, 4636. आस्रुत्य गिरिर्दुर्गाणि
मलयस्य *hinübersetzen über* R. 4, 1, 16. आस्रवेयुर्महार्णवान् *hinübersprin-
gen über* 1, 16, 24. *hinaufspringen* 5, 16, 48. खमास्रुतः 7, 9. *abspringen*,
herabspringen: रथात् MBh. 1, 523. 8, 553. HARIV. 15332. गोमत्तशिखरा-
त् — आस्रुतः 5347. आस्रुत n. *ein Sprung gegen Jmd hin, auf Jmd* MBh.
6, 2283. HARIV. 11048 (S. 701). 13494. — Vgl. आस्रव fg., आस्राव fg.,
ख्द्रास्रुत. — caus. *waschen, abwaschen, baden lassen, baden* (trans.) Ācv.
Ça. 6, 9. Grrh. 1, 11. Gorr. 2, 5, 4. Kauç. 13. 26. माता कुमारमादायास्रा-
व्य PĀR. Grrh. 2, 1. MBh. 1, 7334. (एतेषु तीर्थेषु काशिकन्या) अस्रावयत
गात्राणि so v. a. *badete sich* 5, 7356. 13, 4597. आस्राव्य *sich gebadet habend*
3, 7604. *überschwemmen, übergießen, begießen*: स्वर्गतरंगिणीभिरभि-
तो वैकुण्ठमास्रावितम् Spr. 3939. अद्रिरास्रावितम् (नेत्रम्) MBh. 12, 11883.
सैन्यसागरः । लणेनास्रावयत्सिंहं मैनाकमिव सागरः HARIV. 12740. अन्न-
म् — आस्राव्य वारिणा M. 3, 214. किमतोयप्रपूर्णभिर्भिरास्रावयन् (तो-
मः) जगत् HARIV. 2475. यस्य कायगतं ब्रह्म मय्येनास्राव्यते सकृत् M. 11,
97. *eintauchen in, einweichen*: मूत्रेणास्राव्य सप्तहं सुकृतीरे ततः परं
म् Suçr. 1, 168, 13. कलशोदकेषु शाखामास्राव्यौडम्बरी स्पृशेत्तुरगान् VA-
RĀH. Brh. S. 43 (34), 21.

— उदा, partic. उदास्रुत *unter Wasser stehend* Buāg. P. 3, 8, 10.

— उपन्या *heranschwimmen, zuschwimmen auf* ऽट. Br. 1, 6, 4, 18.
तं स मत्स्य उपन्यास्रुवे 8, 4, 5.

— पर्या *umlaufen, umringen*: योधान्पर्यास्रुतनराधिपान् MBh. 7, 1586.
Vgl. पर्यास्राव. — caus. *rings abschwemmen* TBr. 3, 2, 8, 2.

— प्रत्या s. प्रत्यास्रवन.

— समा 1) *sich baden*: जले तस्मिन्समास्रुतः MBh. 18, 122. HARIV. 1394.
— 2) *überschwemmen, übergießen, vollkommen bedecken*: नदीवेगसमा-
स्रुत MBh. 13, 3490. समास्रुताभ्यां नेत्राभ्यां शोकजेनाथ वारिणा 3, 2172.
सायकाशवः । समास्रुवन्दिपत्सैन्यं लोकं भानेरिवांशवः 7, 6164. — 3) *hin-
springen zu*: कपिस्तम् — समास्रुवन् (sic) R. 5, 42, 18. — 4) *zusammen-
stossen mit*: पत्तिभिश्च समास्रुत्य द्विरदाः स्पन्दनास्तथा MBh. 8, 857.

— उद् 1) *in die Höhe schwimmen, aufschwimmen* Suçr. 1, 372, 15. स्रव-
न्मिज्जति निमग्नमुत्स्रवति SHAPV. Br. 3, 7. *aufziehen* (von Wolken):
तदेतत्प्रावृण्युज्जामूताः स्रवत्ते KĀṬH. 36, 7. — 2) *aufspringen, in die Höhe
springen*: (अज्ञाम्) उत्स्रुत्य वृत्रो रुन्यात् M. 8, 236. KĀM. NĪRIS. 10, 34.
उत्स्रुत्योत्स्रुत्य गमनं वापादिवाखिलैः पदैः (अद्यानाम्) H. 1249. vom Sitz
Wagen HARIV. 15337. 15921. 16036. सपङ्कतोयात्सरसः — उत्स्रुत्य भेकः
Rt. 1, 18. von einer Maus PAKĀT. 117, 1. Hit. 27, 13. 17. von einem
Fische 111, 4. n चाग्निमुत्स्रुत्य गच्छेत् so v. a. *er springe nicht über's
Feuer* KULL. zu M. 4, 54. *sich in die Luft erheben* R. Gorr. 1, 20, 16.
खमुत्स्रुतः 4, 61, 39. KATHĀS. 20, 102. 48, 82. — Vgl. उत्स्रवन (*das Ueber-
fließen*), उत्स्रवा.